प्रतिज्ञप्ति (Proposition)

तर्कशास्त्र में प्रतिज्ञप्ति (Proposition) वह वाक्य है जो किसी बात का कथन करता है और जो सत्य या असत्य हो सकता है। यह विचार की वह इकाई है जिसमें किसी विषय के बारे में कुछ कहा जाता है।
जैसे: "सभी मनुष्य नश्वर हैं।"
"कुछ पक्षी उड़ सकते हैं।"
इन वाक्यों में सत्य या असत्य का निर्णय किया जा सकता है, इसलिए ये प्रतिज्ञप्तियाँ हैं।

प्रतिज्ञप्ति के घटक (Elements of Proposition)

हर प्रतिज्ञप्ति में तीन प्रमुख तत्व होते हैं:
1) विषय (Subject): जिसके विषय में कुछ कहा जा रहा है।
जैसे - 'सभी मनुष्य नश्वर हैं' - विषय = मनुष्य।
2) विधेय (Predicate): जो विषय के बारे में कहा जा रहा है,
जैसे - 'सभी मनुष्य नश्वर हैं' - विधेय = नश्वर।
3) सम्बन्धसूचक या कापुला (Copula): विषय और विधेय को जोड़ने वाला शब्द। जैसे - 'हैं' शब्द विषय और विधेय को जोड़ता है।

विषय + कॉपुला + विधेय
मनुष्य हैं नश्वर

प्रतिज्ञप्ति का स्वरूप (Nature of Proposition)

- प्रतिज्ञप्ति कथनात्मक (Declarative) होती है - प्रश्न, आदेश या विस्मयादिबोधक वाक्य प्रतिज्ञप्ति नहीं होते।
- हर प्रतिज्ञप्ति सत्य या असत्य हो सकती है।
- प्रतिज्ञप्ति विचार की पूर्ण अभिव्यक्ति है (Complete Expression of Thought)

प्रतिज्ञप्तियों के प्रकार (Types of Propositions)

A) गुण के आधार पर:
1) सकारात्मक प्रतिज्ञप्ति - जिसमें विषय को विधेय से जोड़ा जाए।
जैसे: सभी मनुष्य नश्वर हैं।
2) नकारात्मक प्रतिज्ञप्ति - जिसमें विषय को विधेय से अलग किया जाए।
जैसे: कोई मनुष्य अमर नहीं है।

B) परिमाण के आधार पर:
1) सार्वभौमिक - जो पूरे वर्ग के विषय में कही जाए। जैसे - सभी मनुष्य नश्वर है।
2) विशिष्ट (Particular) - जो किसी वर्ग के कुछ सदस्यों के लिए कही जाए।
जैसे - कुछ मनुष्य बुद्धिमान हैं।
3) एकवचन - जो किसी एक व्यक्ति या वस्तु के लिए कही जाए।
जैसे - राम नश्वर है।

C) संरचना के आधार पर:
1) सरल प्रतिज्ञप्ति - जो केवल एक विचार व्यक्त करे।
जैसे - सभी वृक्ष हरे हैं।
2) संयुक्त प्रतिज्ञप्ति - जिसमें दो या अधिक सरल प्रतिज्ञप्तियाँ हैं।
जैसे - सभी मनुष्य नश्वर हैं और कुछ मनुष्य विद्वान हैं।

प्रतिज्ञप्ति के तर्कशास्त्रीय रूप (Logical Forms)

प्रकार	प्रतीकात्मक रूप
सार्वभौमिक सकारात्मक (A)	All S are P
सार्वभौमिक नकारात्मक (E)	No S are P
विशिष्ट सकारात्मक (I)	Some S are P
विशिष्ट नकारात्मक (O)	Some S are not P

निष्कर्ष:
प्रतिज्ञप्ति विचार की सबसे महत्वपूर्ण इकाई है। यह किसी वस्तु या वर्ग के बारे में सत्य या असत्य कथन प्रस्तुत करती है। तर्कशास्त्र में यही तर्क (Argument) का मूल आधार बनती है।